8. मुनिनयन्दी द्वारा सुदंसणचरिउ में वर्णित दुर्व्यसनों के दुष्परिणामों पर लेख लिखिए।

9. उष्णिक छन्द का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. परमात्म प्रकाश के रहस्यवाद पर एक विशद लेख लिखिए।

11. महापुराण के आधार पर लोभ एवं अहंकार की वृत्ति की विशद समीक्षा कीजिए।

12. सन्देशरासक के आधार पर भारतीय समाज, संस्कृति एवं भूगोल के पुरातन रूप की विवेचना कीजिए।

13. प्राकृत कथा साहित्य की दृष्टि से अमंगलिपुरिसहो कहा की समीक्षा कीजिए।

DAL–02

June – Examination 2023

Diploma in Apabhransha Language

अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छन्द का विवेचन

Paper : DAL-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) आचार्य हेमचन्द्रसूरि के अन्हिलवाड जैन मठ की गद्दी पर कब आसीन हुए ?

(ii) सावयधम्म दोहा के रचयिता कौन हैं ?

निम्नलिखित गाथाओं को पूरा कीजिए :

(iii) जिवं ..... कांई॥

(iv) ते ..... थिरु बन्धि॥

(v) पाहुड दोहा शब्द का क्या अर्थ है ?

(vi) महापुराण में कुल कितनी सन्धियाँ हैं ?

(vii) कवि अब्दुररहमान द्वारा रचित ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(viii) सुदंसणचरिउ की रचना किस कोटि का ग्रन्थ है ?

(ix) सन्देशरासक के अनुसार विरहिणी किस नगर की है ?

(x) विउसीहे पुत्त-बहूहे कहाणगु किस ग्रन्थ से लिया गया है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गाथा का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

देह-विभिण्णउ णाणमउ जो परमप्पु णिएइ।

परम-समाहि-परिट्ठियउ पंडिउ सो जि हवेइ॥

अथवा

इय जाणेविणु सीलु परिपालिज्जएँ माएँ महासइ।

णं तो लाहु णियंतिहें हलें मूलछेउ तुह होसइ॥

3. सावयधम्म दोहा एक उपदेशात्मक काव्य है। इस पंक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

4. पाहुडदोहा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

एक्कया सा नियघर समीववासिणीहे खत्तियाणिहे घरि गम्मिपिणु कहेइ-हे पियसहि। तुहुँ तुज्झ भत्तारहो सव्वु वत्थभुसु मज्झु अप्पि, महु किं पि पओयणु अत्थि। ताए खत्तियाणीए अप्पहो पिआसु असिसहिए सिवेढण, कड्डिपट्टाई, सुहडवेसु सव्वु समप्पिउ। सा गहेवि गेहि गया।

अथवा

जेइयहुँ सा ससुर गेहि आगया तइयहुँ ससुराइ धम्महु विमुहु देक्खेवि ताइ बहुदुहु संजाउ। कह मज्झु नियवय निव्वाहु होसइ ? कहं वा देवगुरुहं विमुहहं ससुराइ धम्मोवएसु भवेसइ। एवं सा वियारेइ।

6. प्रबन्ध काव्य किसे कहते हैं ?

7. रासाकुलक छन्द का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।